वर्ष 64 ▸▸ अंक 24 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, रविवार 18 अक्टूबर 2020
आश्विन शुक्ल पक्ष 02, विक्रम संवत 2077
महानगर ▸▸ मूल्य 3.50 रुपए

www.jagranmp.com/epaper

दैनिक जागरण Sunday

खबरों में सबसे तेज एवं विश्वसनीय अखबार

संडे जागरण

BRAIN GAMES
Mind Games Puzzle
Health Tips Sudoku
Interesting Facts
देखें रविवारीय पृष्ठ 4 पर

IPL
आज के मैच
हैदराबाद Vs कोलकाता
अपरान्ह 3:30 बजे से
मुंबई Vs पंजाब
शाम 7:30 बजे से
स्टार स्पोर्ट्स पर
परिणाम
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराया।
दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हराया।

13 नवंबर को मनाया जाएगा आयुर्वेद दिवस

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में 13 नवंबर को पांचवां आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। आयुष मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि इस साल आयुर्वेद दिवस का मुख्य विषय कोविड-19 महामारी के प्रबंधन में आयुर्वेद की महत्वपूर्ण भूमिका होगा। बता दें कि आयुर्वेद दिवस 2016 से हर साल धन्वंतरि जयंती के दिन मनाया जाता है। आयुर्वेद दिवस का उद्देश्य आयुर्वेद और उसके विशिष्ट उपचार तरीकों पर ध्यान केंद्रित करना है। मंत्रालय ने बताया कि इस अवसर पर कोविड-19 महामारी के लिए आयुर्वेद विषय पर वेबिनार का आयोजन किया जाएगा।

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह पर रेप का केस

मुंबई, जेएनएन। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के बेटे महाअक्षय उर्फ मिमोह पर मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में शादी का झांसा देकर रेप करने और अबॉर्शन करवाने का केस दर्ज किया गया है। मिथुन की पत्नी योगिता बाली को भी इस केस में आरोपी बनाया गया है। फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाली एक एक्ट्रेस-मॉडल ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। पीड़िता और महाअक्षय 2015 से रिलेशनशिप में थे। महाअक्षय ने शादी का वादा कर लड़की से शारीरिक संबंध बनाए थे। आरोप है कि 2015 में महाअक्षय ने पीड़िता को घर बुलाया और उसे सॉफ्ट ड्रिंक में नशीली दवा दी। मिमोह 4 साल तक शारीरिक संबंध बनाता रहा और शारीरिक, मानसिक तौर पर परेशान करता रहा।

बिजली के तारों से टकराया रविशंकर का हेलिकॉप्टर

पटना, जेएनएन। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद का हेलिकॉप्टर शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वह पटना में लैंडिंग के समय बिजली के तारों में उलझ गया, जिससे उसके ब्लेड टूट गए। हालांकि, हादसे के समय प्रसाद हेलिकॉप्टर में सवार नहीं थे। हादसा तब हुआ, जब पटना एयरपोर्ट पर उनके हेलिकॉप्टर का पंखा एक निर्माण स्थल पर ओवरहेड वायरिंग से टकरा गया। घटना शनिवार शाम की है।

मध्यप्रदेश विधानसभा उपचुनाव : कांग्रेस ने जारी किया मुख्य वचन-पत्र, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कसा तंज

सस्ती दरों पर मकान देने बनेगा कानून, नौकरी से हटेगा प्रतिबंध

बचे हुए सभी किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा, कर्मचारियों का बढ़ेगा वेतन

मुख्य प्रतिनिधि, भोपाल

कांग्रेस ने 28 सीटों पर उपचुनाव के लिए शनिवार को अपना मुख्य वचन पत्र जारी किया। वचन पत्र में प्रदेश की जनता से 52 वादे किए गए हैं। इनमें कुछ वादे पुराने हैं, जिन पर भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही अमल करना बंद कर दिया है। वचन पत्र में कोरोना काल में प्रभावित युवाओं, व्यापारियों, दुकानदारों को राहत देने के लिए कई वादे किए गए हैं। वचन पत्र को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी और राष्ट्रीय प्रभारी सचिव सीपी मित्तल ने जारी किया। वचन पत्र में बचे हुए किसानों का कर्ज माफ करने, फिर से 100 रुपए में 100 यूनिट बिजली देने, केंद्र सरकार के किसान विरोधी कानूनों को मप्र में लागू नहीं करने, शासकीय विभागों में नियुक्तियों पर लगा प्रतिबंध समाप्त करके रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करने और प्रात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को नौकरी देने का वादा किया गया है। इसमें आवासहीन गरीब व मध्यम वर्ग को रियायती दरों पर आवास-आवासीय भूखंड उपलब्ध कराने, आवास का अधिकार कानून ■ शेष पृष्ठ 5 पर

कांग्रेस ने वचन-पत्र में ये वादे भी किए

- कर्मचारियों को लंबित महंगाई भत्ता एवं वेतनवृद्धि तत्काल दी जाएगी।
- अतिथि शिक्षकों, गुरुजियों, अतिथि विद्वानों की मांगों का निराकरण होगा और चयनित शिक्षकों की लंबित पड़ी नियुक्तियां शुरू की जाएंगी।
- विद्युत कंपनियों के आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगों का भी निराकरण होगा।
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि पहले 800 रुपए, फिर 1000 रुपए की जाएगी।
- कन्याओं के विवाह के लिए फिर से 51 हजार रुपए दिए जाएंगे।
- कोरोना संक्रमण काल में समर्पण भाव से काम करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका एवं आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि होगी।
- रानी लक्ष्मीबाई की वीरता और शौर्य को प्रदेश में चिरस्थायी बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित होंगे।
- ग्वालियर-चंबल अंचल में सैनिक स्कूलों की तर्ज पर नए स्कूल खोले जाएंगे।
- श्रम कानूनों में किए गए संशोधनों की समीक्षा की जाएगी।
- कीर, मीना व पारधी जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की कार्यवाही की जाएगी।

यह वचन नहीं कपट पत्र पार्ट-2 वादे हैं वादों का क्या : शिवराज

मुख्यमंत्री बोले -सिर्फ कागज पर लिखना ही तो है, वादे पूरे तो करना नहीं

प्रमुख संवाददाता, भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कांग्रेस के वचन पत्र को कपट पत्र बताते हुए कहा कि पिछले वचन तो पूरे किए नहीं, फिर नए ले आए। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि वादे हैं, वादों का क्या..। इन्हें वचन-पत्र में सिर्फ लिखना है, करना तो कुछ है नहीं। सीएम ने शनिवार को बड़ा मलहरा के वक्सवाहा, सागर के सुरखी और सांची के देवनगर में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस के वचन-पत्र पर जमकर प्रहार किए। उन्होंने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी वचन-पत्र में ऐसे वादे किए गए हैं कि मानो स्वर्ग को ही धरती पर उतारकर ले आएंगे। उन्होंने कहा कि कोई कहता है कि वे बंगाल के हैं और बंगाल का जादू बड़े कमाल का होता है, वे यह जादू यहां चलाना चाहते हैं पर प्रदेश की जनता उनके बहकावे में आने वाली नहीं है। सीएम ने कहा कि पिछले चुनाव में किसानों के दो लाख रुपए तक का ■ शेष पृष्ठ 5 पर

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को बड़ा मलहरा विधानसभा क्षेत्र में थे। जिला छतरपुर ग्राम रिवरियारखुर्द निवासी केशरानी नामक महिला आवेदन लेकर सीएम से मिलने पहुंची और लिपटकर रोने लगी। इस दौरान शिवराज भी भावुक हो गए। महिला ने बताया कि उनके पति बारेलाल आदिवासी का निधन गत अगस्त में हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान हुआ था। मुख्यमंत्री ने महिला को ढाढस बंधाया और तत्काल मृत प्रमाण-पत्र जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही संबल योजना के तहत लाभ भी देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पूछा- इन वादों का क्या हुआ

- गेहूं, धान, बाजरा, सोयाबीन, सरसों, मूंग, मक्का सहित अन्य फसलों पर बोनस देने का वादा किया था, लेकिन आज तक किसी किसान को बोनस नहीं मिला।
- ऋण फसल योजना लाने का वादा किया था, लेकिन आज तक नहीं आई। बिना कर्ज लिए खेती करने वाले किसानों को फसल बीमा योजना से जोड़ने का वचन भी दिया था, पर एक किसान को नहीं जोड़ा।
- बेरोजगार युवाओं को 4 हजार रुपए भत्ता देने, बेटियों की शादी के लिए 51 हजार रुपए देने सहित सैकड़ों वचन अपने वचन-पत्र में दिए थे, लेकिन कोई भी वचन पूरा नहीं किया।

हमें वैक्सीन को पड़ोसी देशों तक ही नहीं, पूरी दुनिया में पहुंचाना है: मोदी

प्रधानमंत्री ने की कोरोना वायरस की समीक्षा, अधिकारियों को वैक्सीन देश भर में पहुंचाने का प्रभावी तंत्र जल्द ही विकसित करने के निर्देश दिए

नई दिल्ली, जेएनएन। कोरोना की समीक्षा और वैक्सीन के वितरण को लेकर शनिवार को पीएम मोदी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में मोदी ने कहा, वैक्सीन को लेकर हमें केवल भारत या पड़ोसी देशों का ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का ध्यान रखना होगा। मोदी ने अधिकारियों से कहा कि कोरोना वैक्सीन के वितरण को लेकर एक व्यवस्था बनानी चाहिए, ताकि जल्दी से जल्दी पूरे देश में वैक्सीन पहुंच सके। टीके का डिस्ट्रीब्यूशन सुचारू रुप से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये महामारी अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। इसे रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों को जारी रखना होगा। लोगों को दो गज की दूरी और मास्क जरूरी जैसी चीजों का पालन करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया कि देश की भौगोलिक स्थिति और विविधता को ध्यान में रखते हुए वैक्सीन की पहुंच तेजी से सुनिश्चित ■ शेष पृष्ठ 5 पर

त्योहारों में सामाजिक दूरी बनाने की अपील

पीएम मोदी ने कोरोना केसों में आ रही गिरावट का उल्लेख करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखें। कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का पालन करें और आत्मसंयम भी बरतें। प्रधानमंत्री ने जनता से अपील की कि कोरोना का संकट अभी टला नहीं है, इसलिए मास्क उतारना खतरे से खाली नहीं है। जब हम पर्व मना रहे हों, तब सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखें। पर्व हमारे जीवन को आनंदित करे, ये कोरोना के प्रसार का जरिया नहीं बनना चाहिए।

रूस की वैक्सीन का भारत में होगा ट्रायल

रूस की कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक-वी का भारत में बड़े पैमाने पर ट्रायल होगा। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन ने डॉ. रेड्डी लेबोरेटरीज लिमिटेड को इसका ट्रायल करने की इजाजत दे दी है। बता दें कि रूस में इस वैक्सीन को मरीजों के लिए दिया जाने लगा है। हालांकि, वह यह काम बहुत छोटे पैमाने पर कर रहा है, इसलिए उसकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं बरकरार हैं। यही कारण है कि डॉ. रेड्डी को भारत में बड़ी आबादी पर परीक्षण करने की अनुमति दी गई है। पहले ही इस लैब के पास वैक्सीन के परीक्षण की अनुमति थी, लेकिन अब उसका दायरा बढ़ा दिया गया है। एक बयान में कहा गया है कि यह ऐसा अध्ययन होगा, जिसमें सुरक्षा और प्रतिरक्षात्मक अध्ययन शामिल होगा। चूंकि रूस में एक टीका के रूप में पंजीकृत होने से पहले स्पूतनिक-वी का परीक्षण बहुत कम लोगों पर किया गया था, इसलिए डीसीजीआई ने डॉ. रेड्डी के भारत में बड़ी आबादी के बीच परीक्षण के प्रारंभिक प्रस्ताव पर सवाल उठाए थे। अब हमें व्यापक परीक्षण की इजाजत मिली है।

दिसंबर तक तैयार होंगे वैक्सीन के 30 करोड़ डोज: सीरम

सीरम इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निदेशक डॉ. सुरेश जाधव ने दावा किया कि भारत में दिसंबर के अंत तक 20 से 30 करोड़ वैक्सीन की खुराकें तैयार हो जाएंगी और मार्च 2021 तक वैक्सीन का फाइनल टेस्ट हो जाएगा। हील फाउंडेशन द्वारा आयोजित फार्मा एक्सीलेंस ई-समिट 2020 को संबोधित करते हुए उन्होंने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि सीरम एक साल में 70 से 80 करोड़ वैक्सीन खुराको का उत्पादन कर सकता है।

उज्जैन जहरीली शराबकांड में सरकार का एक्शन, एसी आबकारी मुख्यालय अटैच

दो पुलिसकर्मियों पर गैर इरादतन हत्या का केस, ननि अपर आयुक्त निलंबित

जागरण, उज्जैन। उज्जैन में नगर निगम, पुलिस व आबकारी विभाग की मिलीभगत से खुलेआम जहरीली शराब बिक रही थी। यह बात उक्त क्षेत्र के एक-एक व्यक्ति को मालूम थी, लेकिन आबकारी, पुलिस व नगर निगम के अधिकारियों को नहीं मालूम थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर जहरीली शराब कांड की जांच करने गई एसआईटी के समक्ष हर व्यक्ति ने अपने बयान में खुले आम जहरीली शराब बिकने की बात कही। लोगों ने यह भी बताया कि कौन-कौन इसमें शामिल है। इस बीच राज्य सरकार ने उज्जैन के सहायक आबकारी आयुक्त केसी अग्निहोत्री को मुख्यालय ग्वालियर अटैच कर दिया है, जबकि उज्जैन आयुक्त आनंद शर्मा ने अपर आयुक्त नगर निगम सुबोध जैन को निलंबित कर दिया है। बता दें कि उज्जैन में जहरीली झिंझर शराब (पोटली) पीने से 14 मौतों के तार निगमकर्मियों से होते हुए खाराकुआं थाने ■ शेष पृष्ठ 5 पर

मुख्य आरोपी सिकंदर

एक दर्जन से अधिक अफसर नपेंगे

भोपाल। अपर मुख्यसचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा द्वारा एसआईटी की रिपोर्ट मुख्यसचिव को सौंपे जाने के बाद उज्जैन में पदस्थ पुलिस आबकारी और नगर निगम के दर्जनभर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। उज्जैन कलेक्टर रहे डॉ. राजौरा ने जांच के दौरान दो सौ से अधिक लोगों से एसआईटी की टीम के साथ बयान दर्ज कर हकीकत जानी, जिसमें कई सनसनी खेज जानकारियां सामने आई हैं। इस कारण अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ वहां सक्रिय हर तरह के माफिया के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। माफिया को मदद करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों की भी जांच की जाएगी। विशेषकर पुलिस, आबकारी व नगर निगम के उन अधिकारियों व कर्मचारियों पर गाज गिर सकती है, जो वर्षों से वहीं पदस्थ हैं। केवल चुनाव के दौरान इधर-उधर चले जाते हैं।

नवंबर में बंद हो जाएंगे असम में सभी मदरसे

गुवाहाटी, जेएनएन। असम में सरकार द्वारा संचालित सभी मदरसों और संस्कृत केंद्रों को बंद कर दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि इस आशय की अधिसूचना नवंबर में जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि मदरसा शिक्षा बोर्ड को भंग कर दिया जाएगा और सभी राज्य संचालित मदरसों को उच्च विद्यालयों में परिवर्तित कर दिया जाएगा। अंतिम वर्ष के छात्रों को पास होने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन इन स्कूलों में प्रवेश लेने वाले सभी छात्रों को नियमित छात्रों के रूप में अध्ययन करना होगा।

फिर उड़ान भरेगी जेट एयरवेज रिवाइवल प्लान को मिली मंजूरी

अधिग्रहण का रास्ता होगा साफ, जेट पर भारी कर्ज

नई दिल्ली, जेएनएन। अप्रैल 2019 से बंद पड़ी एयरलाइन जेट एयरवेज एक बार फिर उड़ान भर सकती है। दरअसल, जेट एयरवेज के लेंडर्स ने रिवाइवल का प्लान मंजूर कर लिया है। ये रिवाइल प्लान लंदन के कालरॉक कैपिटल और यूएई के निवेशक मुरारी लाल जालान ने दिया था। आपको बता दें कि करीब डेढ़ साल से पार्किंग में खड़ी जेट एयरवेज पर 10 हजार करोड़ से ज्यादा का कर्ज है।

कालरॉक कैपिटल और मुरारी लाल जालान वाले कंसोर्टियम के प्लान को मंजूरी के बाद अब इसे नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ■ शेष पृष्ठ 5 पर

अयोध्या में रामलीला नेपाल से आए प्रभु राम के राजशाही वस्त्र, रावण की पोशाक लंका से आई, मुंबई से आए 85 कलाकार

मनोज तिवारी अंगद तो भरत की भूमिका में रवि किशन

अयोध्या, जेएनएन। नौ दिनों तक चलने वाली रामलीला की शुरुआत अयोध्या में सरयू किनारे स्थित लक्ष्मण किला मंदिर में हो गया। इस रामलीला के पात्र जाने-माने फिल्मी कलाकार हैं। राम और सीता की भूमिका में सोनू डागर और कविता जोशी तो रावण का किरदार शहबाज खान निभा रहे हैं। भोजपुरी कलाकार और सांसद मनोज तिवारी अंगद और गोरखपुर से सांसद रवि किशन भरत की भूमिका में हैं। शाम साढ़े छह बजे प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री नीलकंठ तिवारी वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रामलीला का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी भी रामलीला देखने के लिए पहुंचे। पहली बार इसका प्रसारण दूरदर्शन व डीडी भारती चैनल पर किया जा रहा है। रामलीला का मंचन के लिए दिल्ली व मुंबई से करीब 85 कलाकार आए है। रामलीला को राम कथा के मूल स्थलों से जोड़ने के प्रयास भी किए गए हैं। राम लीला कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) ने बताया कि प्रभु श्रीराम का पात्र निभाने वाले कलाकार के लिए प्रभु राम की ससुराल जनकपुर नेपाल से राजशाही वस्त्र बनकर आए हैं। साथ ही माता सीता के गहने उनके ससुराल अयोध्या में तैयार हुए हैं। भगवान श्रीराम का धनुष

कुरुक्षेत्र से आया है और रावण की कई पोशाकों में से एक पोशाक श्रीलंका से बनकर आई है। इसके अलावा 14 उन प्रमुख स्थलों से मिट्टी लाई गई है, जहां से होकर प्रभु राम लंका गए थे। इस मिट्टी से प्रभु राम की प्रतिमा भी जानेमाने मूर्तिकार से तैयार करवाई गई है। राम लीला की समाप्ति पर इस प्रतिमा को सरयू नदी में विसर्जित कर दिया जाएगा। बॉबी ने बताया कि अयोध्या की रामलीला की रिकॉर्डिंग के एक हफ्ते के बाद 14 भाषाओं हिन्दी, इंग्लिश, भोजपुरी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मराठी, ■ शेष पृष्ठ 5 पर

कलाकारों की भूमिकाएं

फिल्म कलाकारों ने मुंबई में रिहर्सल की है। इस रामलीला में सांसद और फिल्म स्टार मनोज तिवारी अंगद, सांसद फिल्म स्टार रवि किशन भरत की भूमिका में हैं। फिल्म स्टार विंदु दारा सिंह हनुमान के रूप में, असरानी नारद मुनि के रूप में हैं। इनके अलावा फिल्म स्टार रजा मुराद अहिरावण, शाहबाज खान रावण के रूप में नजर आएंगे। अवतार गिल सुबाहु और जनक के किरदार में तो राजेश पुरी सुतिक्ष्ण और निषादराज के किरदार में हैं। अभिनेत्री रितु शिवपुरी कैकई, अभिनेता राकेश बेदी विभीषण के किरदार में तो उनकी बेटी सुलोचना के किरदार में हैं। महाभारत के चर्चित कलाकार सुरेंद्र पाल भी इस राम लीला से जुड़े हैं।

दर्शकों को अनुमति नहीं

बताया गया कि कोविड संकट के चलते अयोध्या की रामलीला के मंचन में दर्शकों को आने की अनुमति बिल्कुल नहीं दी गई है। रामलीला को सिर्फ सैटलाइट चैनल्स, यूट्यूब चैनल और अन्य सोशल मीडिया चैनल्स पर ही 25 अक्टूबर तक शाम 7 बजे से 10 बजे तक दिखाई जाएगी। रामलीला में कविता जोशी सीता के भूमिका में हैं। वे कहती हैं, मैं सौभाग्यशाली हूं कि राम लीला में सीता जी का रोल मिला है। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है कि राम की नगरी में मैं उनकी पत्नी का रोल रामलीला में करूंगी। राम की भूमिका में नजर आने वाले सोनू डागर ने कहा, मैं बेहद खुश हूं कि मुझे भगवान राम की भूमिका अदा करने का मौका मिला है। भगवान राम का संदेश जन जन तक रामलीला के मंचन से जाएगा।

107 देशों की रैंकिंग में भारत 94वें नंबर पर, आगे है पाक

ग्लोबल हंगर इंडेक्स की रिपोर्ट जारी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत वैश्विक भूख सूचकांक 2020 में 107 देशों की सूची में 94 वें स्थान पर है। हमारा देश भूखे देशों की सूची में गंभीर श्रेणी में आया है। विशेषज्ञों ने इसके लिए खराब कार्यान्वयन प्रक्रियाओं, प्रभावी निगरानी की कमी, कुपोषण से निपटने में उदासीनता और बड़े राज्यों के खराब प्रदर्शन को दोषी ठहराया है। पिछले साल 117 देशों की सूची में भारत का स्थान 102वां था। हालांकि, पड़ोसी बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान भी गंभीर देशों की श्रेणी में हैं, लेकिन इस साल के भूख सूचकांक में वे भारत से ऊपर हैं। बांग्लादेश 75 वें, म्यांमार 78वें और पाकिस्तान 88वें स्थान पर है। नेपाल 73वें और श्रीलंका 64वें स्थान पर हैं। चीन, बेलारूस, यूक्रेन, तुर्की, क्यूबा और कुवैत सहित 17 देश भूख सूचकांक में अच्छी स्थिति में हैं। इंडेक्स के अनुसार भारत की 14 फीसदी आबादी कुपोषण की शिकार है। यहां पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 3.7 प्रतिशत है। ऐसे बच्चों की दर 37.4 है, जो कुपोषण के कारण नहीं बढ़ पाते। बांग्लादेश, भारत, नेपाल और पाकिस्तान के लिए 1991 से अब तक के आंकड़ों से पता चलता है कि वैसे परिवारों में बच्चों के कद नहीं बढ़ पाने के मामले ज्यादा हैं, जो विभिन्न प्रकार की कमी से जूझ रहे हैं।

पेटीएम वालेट में क्रेडिट कार्ड से पैसा ऐड करना हुआ महंगा

नई दिल्ली, जेएनएन। पेटीएम ने क्रेडिट कार्ड से पैसे ऐड करने पर यूजर्स से दो फीसदी का शुल्क लेने का फैसला किया है। अब तक कंपनी क्रेडिट कार्ड से एक महीने में 10,000 रुपए से ज्यादा रकम ऐड करने पर दो फीसदी का शुल्क लेती थी। कंपनी के इस फैसले से ऐसे ग्राहकों को झटका लगा है, जो आम तौर पर बैंक अकाउंट की बजाय क्रेडिट कार्ड से रकम ऐड करके पेमेंट करते थे। क्रेडिट कार्ड से पेटीएम वालेट में रकम ऐड करने पर यूजर्स को एक मैसेज प्राप्त हो रहा है कि इस सर्विस के लिए उन्हें दो फीसदी का एक मामूली शुल्क देना होगा। पेटीएम यूजर्स के मुताबिक क्रेडिट कार्ड से वॉलेट में पैसे ऐड करने पर उनके सामने यह मैसेज डिस्प्ले हो रहा है, क्रेडिट कार्ड से रुपए ऐड करने पर दो फीसदी का एक मामूली शुल्क देय है। आप जब क्रेडिट कार्ड से रकम ऐड करते हैं तो हमें आपके बैंक या पेमेंट नेटवर्क को ज्यादा शुल्क देना होता है, इसी वजह से मामूली शुल्क लिया जा रहा है। बिना किसी शुल्क के पैसे ऐड करने के लिए यूपीआई या डेबिट कार्ड का इस्तेमाल कीजिए।